पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

‘स्पिरिट’ से विवेक का फर्स्ट लुक जारी

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 46 ■ अंक : 1 ■ रविवार 1 मार्च 2026 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

4 दशक पुरानी बस्ती खाली करने का आदेश

लोगों में गुस्सा

उल्हासनगर-अंबरनाथ सीमा पर 40 साल पुरानी बस्ती खतरे में

■ **सौंदर्यीकरण के नाम पर 30 घरों को नोटिस**

उल्हासनगर. उल्हासनगर-अंबरनाथ शहर सीमा पर पुराने शिव मंदिर और वालधुनी नदी सौंदर्यीकरण प्रोजेक्ट से एकतानगर और कैलाश कॉलोनी इलाकों में तनाव का माहौल बन गया है। घाट को कंस्ट्रक्शन में रुकावट बताते हुए उल्हासनगर मनपा प्रशासन ने 30 घरों को दो दिन में जगह खाली करने का नोटिस जारी किया है और अब यहां चार दशकों से रह रहे परिवारों के सचमुच बेघर होने का समय आ गया है। हालांकि, लोग अपनी मांग पर अड़े हैं कि बिना पुनर्वसन के घरों को न तोड़ा जाए।

उल्हासनगर मनपा प्रशासन ने दो दिन में 30 घरों को जगह खाली करने का नोटिस जारी किया है, और यहां चार दशकों से रह रहे परिवारों के सचमुच बेघर होने का समय आ गया है। हालांकि, लोग अपनी मांग पर अड़े हैं कि बिना रिहैबिलिटेशन के घरों को न तोड़ा जाए।

उल्हासनगर-अंबरनाथ शहर की सीमा पर प्राचीन शिव मंदिर इलाके और वालधुनी नदी के किनारे घाट बनाने और सुंदर बनाने का काम शुरू किया गया है। लेकिन, उल्हासनगर शहर के एकतानगर और कैलाश कॉलोनी में 30 घरों पर यह कहते हुए कार्रवाई की गई है कि वे इस काम में रुकावट डाल रहे हैं। इलाके में डर का माहौल है क्योंकि संबंधित परिवारों को दो दिन के अंदर अपने घर खाली करने का आदेश दिया गया है। प्रभावित निवासियों का कहना है कि उन्हें मंदिर या नदी के सुंदर बनाने का विरोध नहीं है, बल्कि वे पिछले 40 सालों से यहां रह रहे हैं। कई परिवारों के पास बिजली, पानी, वोटर ID कार्ड जैसे सरकारी कागज़ात हैं, और अचानक हुई इस कार्रवाई से उनकी ज़िंदगी बर्बाद होने का डर है। कुछ घरों में स्टूडेंट्स के एग्जाम चल रहे हैं, तो कुछ जगहों पर प्रेग्नेंट महिलाएं हैं। ऐसे में निवासियों ने साफ किया है कि दो दिन में घर खाली करना मुमकिन नहीं है।

स्थानीय निवासी राजेश जाधव ने कहा कि एक साल पहले भी ऐसा ही नोटिस जारी किया गया था। उस समय, निवासियों ने MP डॉ. श्रीकांत शिंदे से मुलाकात की और दावा किया कि उन्हें पुनर्वास के बिना कोई कार्रवाई नहीं करने का आश्वासन दिया गया था। उसके बाद, नागरिक शांत हुए। हालांकि, अब अचानक फिर से नोटिस मिलने के बाद, परिवारों में भ्रम और गुस्सा दोनों बढ़ गए हैं। स्थानीय निवासी इस मामले में कोर्ट चले गए हैं और अगली सुनवाई 2 मार्च को होगी।

इस बीच, संबंधित नागरिक दस्तावेजों के साथ मनपा के अतिरिक्त आयुक्त डॉ. धीरज चव्हाण से मिले और मानवीय दृष्टिकोण से पहले पुनर्वास और उसके बाद ही कार्रवाई की मांग की। नोडल अधिकारी गणेश शिम्पी ने कहा कि संबंधित लोगों को तीन बार नोटिस दिया जा चुका है। वे सरकारी जमीन पर रह रहे हैं और ये घर घाट के निर्माण में बाधा बन रहे हैं। हालांकि उन्हें अतिरिक्त दो दिन का समय दिया गया है, लेकिन प्रशासन ने चेतावनी दी है कि समय सीमा समाप्त होने के बाद पुलिस व्यवस्था में निर्णायक कार्रवाई की जाएगी।

वालधुनी नदी के सौंदर्यीकरण के नाम पर विकास और मानवीय संवेदनाओं के बीच टकराव एक बार फिर उजागर हुआ है। विकास की जरूरत है, लेकिन यह मानवता को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए... यह मांग आज इन 30 परिवारों की पुकार बन गई है।

होली के रंग में भंग करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

■ **पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने दी चेतावनी**

■ **उल्हासनगर पुलिस अलर्ट मोड पर**

उल्हासनगर. पुलिस प्रशासन होली के दौरान बदमाशों द्वारा की जाने वाली बदसलूकी को रोकने के लिए पूरी तरह तैयार है। त्योहार का रंग खुशी और सम्मान का होना चाहिए, अपराध का नहीं! यह कड़ा और साफ संदेश देते हुए, पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने नागरिकों से त्योहार को जिम्मेदारी से मनाने की अपील की है।

महिलाओं की सुरक्षा, पब्लिक ऑर्डर और कानून का सम्मान बनाए रखने के लिए शहर में सख्त पुलिस सुरक्षा तैनात की गई है, और यह भी चेतावनी दी गई है कि नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वैसे तो होली और धूलिवंदन खुशी, रंग और प्यार का त्योहार है, लेकिन कुछ बदमाश इन त्योहारों का गलत इस्तेमाल करके महिलाओं, युवतियों और नागरिकों को परेशान करने की कोशिश करते हैं। उल्हासनगर पुलिस ने इस साल ऐसे ट्रेंड को रोकने के लिए खास सावधानी बरती है।

पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने साफ कहा कि त्योहार के नाम पर किसी भी तरह की बदसलूकी, परेशानी या डर की हरकतें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। धूलि वंदन के दिन पानी के गुब्बारे फेंकना, जबरदस्ती रंग लगाना, पब्लिक जगहों पर हंगामा करना या महिलाओं को परेशान करना सीधे तौर पर जुर्म माना जाएगा। ऐसी हरकतों को रोकने के लिए पुलिस ने साफ चेतावनी दी है कि "अगर जबरदस्ती गुब्बारे फेंके गए तो एक्शन लिया जाएगा!"

त्योहार के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए शहर में दो असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस, 70 पुलिस ऑफिसर और 600 पुलिसवालों की बड़ी टुकड़ी तैनात की गई है। स्कूल-कॉलेज कैंपस, मार्केट, महिला हॉस्टल और सेंसिटिव इलाकों में खास पेट्रोलिंग बढ़ाई जाएगी और CCTV कैमरों से लगातार निगरानी रखी जाएगी।

112 पर संपर्क करें

पुलिस ने नागरिकों से होली और धूलि वंदन शांति, सभ्यता और आपसी सम्मान बनाए रखते हुए मनाने की अपील की है। किसी भी तरह की परेशानी, दुर्व्यवहार या संदिग्ध घटना होने पर, उनसे तुरंत 112 पर संपर्क करने या नजदीकी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने की अपील की गई है। "त्योहारों का आनंद लें, लेकिन जिम्मेदारी से!" का संदेश देते हुए, यह स्पष्ट किया गया है कि उल्हासनगर पुलिस त्योहार के दौरान पूरी तरह तैयार है।

उल्हासनगर मनपा की ओर से इको-फ्रेंडली होली

■ **लोगों से प्रकृति की रक्षा करने की अपील की**

उल्हासनगर. होली और धूलि वंदन का त्योहार 2 और 3 मार्च को पूरे देश में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इसी को देखते हुए, उल्हासनगर मनपा ने महाराष्ट्र सरकार के पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग के निर्देशों के अनुसार शहर के पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त, साफ और हरा-भरा रखने की पहल की है। मनपा आयुक्त मनीषा अव्हाले और अतिरिक्त आयुक्त डॉ. किशोर गवस के मार्गदर्शन में, पर्यावरण विभाग द्वारा म्युनिसिपल मुख्यालय के सामने इको-फ्रेंडली होली और धूलि वंदन का सिंबॉलिक रूप से जश्न मनाया गया।

इस प्रोग्राम का मुख्य आकर्षण मौजूद सभी गणमान्य लोगों और कर्मचारियों द्वारा लिया गया 'हरित शपथ' था। धरती पर जीवन भूमि, जल, अग्नि, वायु और आकाश के पांच प्राकृतिक तत्वों पर निर्भर करता है और इस माध्यम से यह संदेश दिया गया कि त्योहार मनाते समय प्रकृति को अनजाने में नुकसान नहीं पहुंचाया जाना चाहिए। इस मौके पर महापौर अश्विनी निकम और उप महापौर अमर लुंड की मौजूदगी में लोगों से अपील की गई कि वे होली मनाते समय पर्यावरण का ध्यान रखें। इस मौके पर सुझाव दिए गए कि होली के लिए पेड़ों की बड़ी कटाई न की जाए, केमिकल रंगों का इस्तेमाल छोड़कर इको-फ्रेंडली प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल किया जाए और पानी का इस्तेमाल न किया जाए।

इस ज़रूरी पहल की प्लानिंग उपायुक्त विशाखा मोटघरे, डिपार्टमेंट की हेड विशाखा सावंत और पर्यावरण विभाग के कर्मचारियों ने की। प्रोग्राम में डिप्टी कमिश्नर (हेडक्वार्टर) डॉ. दीपाली चौगले, वेयरहाउस डिपार्टमेंट के हेड अंकुश कदम, लीगल डिपार्टमेंट के हेड राजा बुलानी, प्रॉपर्टी मैनेजर छाया डांगले, वृक्षा फाउंडेशन की ज्योति तायड़े और बड़ी संख्या में मनपा के अलग-अलग अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। प्रशासन ने शहर में इको-फ्रेंडली त्योहार मनाकर प्रकृति संरक्षण में योगदान देने की अपील की है।

‘भाषा का सम्मान, संस्कृति का सम्मान’

■ **मराठी राजभाषा दिन जोश के साथ मनाया गया**

उल्हासनगर. उल्हासनगर में "मराठी राजभाषा दिन" जोश के साथ मनाया गया, जिसमें गर्व, पहचान और संस्कृति का झंडा फहराया गया। कवि श्रेष्ठ कुसुमाग्रज की जयंती के मौके पर यशवंत विद्यालय में हुए प्रोग्राम से स्टूडेंट्स में मराठी प्रेम की नई जागरूकता आई।

उल्हासनगर युवा प्रबोधिनी की तरफ से यशवंत विद्यालय में मराठी भाषा गौरव-स्लोगन कॉम्पिटिशन का आयोजन किया गया। प्रोग्राम में उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की कॉर्पोरेटर इंदिरा पाटिल, संगीता सपकाले और कल्याणी जैन शामिल हुईं। साथ ही, श्रीराम शिक्षण प्रसारक मंडल के प्रेसिडेंट डॉ. विलास चौधरी, विकास नेहेते, राजेश भंगाले, प्रिंसिपल विजय येवले, युवा प्रबोधिनी के प्रेसिडेंट निखिल पाटिल, राहुल जैन, अक्षय राणे, जयेश महाजन, प्रथमेश राणे, नीरज तलेले और टीचिंग स्टाफ मौजूद थे।

उल्हासनगर में मराठी पहचान के लिए खुशी का माहौल था, "दुनिया बदलनी है तो भाषा की रक्षा करो" का मैसेज देकर। कुसुमाग्रज की जयंती के मौके पर मनाए गए "मराठी राजभाषा दिन" ने यशवंत विद्यालय कैंपस को मराठी बना दिया। स्टूडेंट्स के जोशीले नारों और मराठी प्रेम में अपनी-अपनी भागीदारी ने प्रोग्राम को खास ऊंचाई दी। प्रोग्राम के दौरान, कल्चरल हेरिटेज, लिटरेरी ट्रेडिशन और ग्लोबल लेवल पर मराठी भाषा के बढ़ते महत्व पर गाइडेंस दिया गया।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

एक पदयात्रा और पूरा शहर ठप

रक्तदान को महादान कहा जाता है, क्योंकि इससे लोगों को नया जीवन मिलता है। देश में रक्त की जरूरत के मुकाबले आपूर्ति आज भी काफी कम है। ऐसे में सरकार और सामाजिक संगठनों की ओर से रक्तदान के महत्त्व को समझाने तथा इसे प्रोत्साहित करने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाए जाते हैं। इसके अलावा, देश भर में जगह-जगह शिविर भी लगाए जाते हैं, ताकि लोग आसानी से स्वैच्छिक रक्तदान कर सकें।

मगर सवाल है कि दान के माध्यम से जो रक्त एकत्र किया जाता है, वह दूसरे लोगों के लिए कितना सुरक्षित है? यह मसला चिंताजनक और संवेदनशील है, क्योंकि मरीजों को संक्रमित रक्त चढ़ाने और उससे कई तरह की जटिलताएं पैदा होने या जान जाने के मामले अक्सर सामने आते रहते हैं। इसी के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने बीते बुधवार को देश भर के सरकारी अस्पतालों में मरीजों को रक्त चढ़ाने से होने वाले विभिन्न तरह के संक्रमण का पता लगाने के लिए न्यूक्लिक एसिड एंप्लीफिकेशन परीक्षण (एनएटी) की सुविधा के खर्च और उपलब्धता की जानकारी मांगी है।

दरअसल, शीर्ष अदालत में दायर एक जनहित याचिका में मांग की गई है कि देश के सभी रक्त बैंकों में ट्रांसफ्यूजन ट्रांसमिसिबल इन्फेक्शन (टीटीआइ) का पता लगाने के लिए एनएटी को अनिवार्य किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि इस परीक्षण के तहत रक्त में एचआइवी, हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी, मलेरिया और सिफलिस जैसी बीमारियों के संक्रमण की जांच की जाती है। इसमें दोराय नहीं कि रक्तदान के दौरान अनिवार्य रूप से संक्रमण की जांच के नियम लागू हैं, इसके बावजूद अगर मरीजों को संक्रमित रक्त चढ़ा देने के मामले सामने आ रहे हैं, तो इससे स्वास्थ्य सुविधाओं और सरकारी तंत्र में व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। जाहिर है कि रक्त की जांच प्रकिया में लापरवाही बरती जा रही है, जो मरीजों की जान पर भारी पड़ रही है। इससे सबसे ज्यादा थैलेसीमिया के मरीज प्रभावित हो रहे हैं, जिन्हें बार-बार रक्त चढ़ाने की जरूरत पड़ती है। ऐसे में जरूरी है कि रक्त जांच परीक्षण का दायरा बढ़ाया जाए और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए, ताकि रक्तदान मरीजों के लिए हमेशा जीवनदान बना रहे।

विचार : विकसित देश का मंत्र है वैज्ञानिक सोच

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों को याद करने का ही नहीं, बल्कि बच्चों, युवाओं से लेकर आमजन में वैज्ञानिक सोच को विकसित करने का अवसर भी बनना चाहिए। अगर भारत को विकसित देश बनना है, तो उसमें विज्ञान की बड़ी अहम भूमिका होगी। यह भूमिका तभी सार्थक होगी, जब हम वैज्ञानिक शोधों को अपनी कार्यसंस्कृति का हिस्सा बना लें।

इसके लिए आवश्यक होगा कि हम बुनियादी स्तर से ही बच्चों को ऐसी जानकारियां देने के उपाय करें, जो उनमें वैज्ञानिक सोच के विकास में सहायक बने। इसके लिए पारंपरिक ज्ञान के साथ ही वैज्ञानिक स्वभाव भी विकसित करना होगा। इसके लिए बच्चों को हर तरह के सवाल पूछने के लिए भी प्रोत्साहित करना होगा। बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण पैदा करने के लिए उनमें आसपास की चीजों को समझने के प्रति कौतूहल भी पैदा करना होगा।

पढ़ाई में रटने से ज्यादा महत्वपूर्ण होता है कि हमारे बच्चे प्रयोगशालाओं में प्रयोग करें और अपनी गलतियों से सीखें। 'करके सीखने' अर्थात लर्निंग बाय डूइंग के माध्यम से छात्रों के सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक प्रयोगशाला के अनुभवों में सहायता मिलेगी। हालांकि यह सिर्फ सोचने भर से नहीं होगा। इसके लिए हमें गांवों से लेकर शहरों तक स्कूलों में अच्छी विज्ञान प्रयोगशालाओं का व्यापक जाल बिछाना होगा।

इसी सोच से प्रेरित भारत सरकार द्वारा गत वर्ष अक्टूबर तक 10,000 से अधिक अटल टिंकरिंग लैब स्थापित की जा चुकी हैं और

अगले पांच वर्षों में 50,000 नई अटल टिंकरिंग लैब्स स्कूलों में स्थापित करने की योजना बनाई है।

नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन के तहत इन लैब्स का उद्देश्य कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों में वैज्ञानिक जिज्ञासा, रचनात्मकता और स्टेम (साइंस-टेक्नोलॉजी-इंजीनियरिंग-मैथ) कौशल को बढ़ावा देना है। यह पहल हर जिले में तकनीक-आधारित नवाचार को बढ़ावा देगी। इस क्रम में वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद यानी सीएसआईआर का 'जिज्ञासा' कार्यक्रम स्कूली बच्चों में वैज्ञानिक चेतना और जिज्ञासा जगाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य "करके सीखने" (लर्निंग बाय डूइंग) के माध्यम से छात्रों के सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक प्रयोगशाला के अनुभवों से जोड़ने में सहायक हो रहा है। इसरो का युविका (युवा विज्ञानी कार्यक्रम) स्कूली बच्चों में विज्ञान और अंतरिक्ष तकनीक के प्रति गहरी समझ और रुचि विकसित करने के लिए एक शानदार पहल है। इसे 'कैच देम यंग' यानी छोटी अवस्था में ही स्कूली छात्रों में अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान के प्रति रुचि जगाकर उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से आकार दिया गया है।

दो सप्ताह के इस आवासीय कार्यक्रम में छात्रों को प्रख्यात विज्ञानियों से मिलने, प्रयोगशालाओं का दौरा करने और व्यावहारिक प्रयोग (मॉडल राकेट्री) करने का अवसर भी मिलता है। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस भी बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। यह कार्यक्रम छात्रों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें वास्तविक दुनिया की समस्याओं को वैज्ञानिक पद्धति से सुलझाने के लिए प्रेरित करता है।

एनसीईआरटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी भी बच्चों में वैज्ञानिक सोच और जिज्ञासा को बढ़ावा देने का एक सशक्त माध्यम बन गई है। यह प्रदर्शनी केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि युवा मस्तिष्कों में नवाचार और रचनात्मकता का संचार करने वाला एक उत्सव है। राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विजन के अनुरूप बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने में अत्यंत सहायक सिद्ध हो रही है।

इसी प्रकार स्पायर अवॉर्ड मानक प्रतियोगिता भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जो स्कूली बच्चों में न केवल विज्ञान के प्रति रुचि पैदा कर रही है, बल्कि उनमें एक गहरा वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी विकसित कर रही है। यह योजना बच्चों को अपने आसपास की समस्याओं को पहचानने और उनके लिए मौलिक समाधान सोचने के लिए प्रेरित करती है।

अपने जीवन को प्रेम की मधुर धुन बनाइए!

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज सोम - शनि सुबह ८.३० से ९.५० तक

राजनीति, गिरफ्तारी और फिर बरी

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कामकाज के तरीके और जांच की पद्धति पर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। यह चिंता भी जताई जाती रही है कि आखिर इससे इन जांच एजंसियों की कैसी छवि बन रही है। मगर दिल्ली में शराब नीति से जुड़े कथित घोटाले के संबंध में विशेष अदालत का जो फैसला आया है, उससे फिर यह सवाल उठा है कि क्या ये एजंसियां किसी खास मंशा के तहत सोच-समझ कर नेताओं या अन्य लोगों के खिलाफ मामला उठाती हैं और क्या उनका बेजा इस्तेमाल हो रहा है।

गौरतलब है कि आबकारी नीति से संबद्ध मामले में विशेष अदालत ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और अन्य इक्कीस लोगों को आरोपमुक्त कर दिया। विशेष अदालत में हुई सुनवाई के बाद यही सामने आया कि अभियोजन पक्ष ने आरोपियों के विरुद्ध जो भी आरोप लगाए थे, उसे साबित करने के लिए उनके पास कोई ठोस सबूत नहीं था। लापरवाही या हड़बड़ी का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि सीबीआइ ने अदालत में जो आरोपपत्र प्रस्तुत किए, उनमें न सिर्फ गंभीर खामियां थीं, बल्कि कई विरोधाभास भी थे।

सवाल है कि देश की सबसे

महत्त्वपूर्ण एजंसी इतने बड़े स्तर पर मामला उठाते हुए किसी आरोप पर किस तरह काम करती है, कैसे आरोपपत्र तैयार करती है कि उसे खारिज किए जाने का एक आधार उसमें विरोधाभास होना होता है। यह मामला वर्ष 2021-22 के दौरान दिल्ली आबकारी नीति से जुड़ा है, जिसका उद्देश्य राजस्व बढ़ाना और शराब के कारोबार में सुधार करना बताया गया था। हालांकि बाद में इसमें घोर अनियमितता के आरोप लगे और मामले की जांच सीबीआइ को सौंपी गई। इसके बाद ईडी और सीबीआइ की ओर से यह आरोप लगाया गया कि इस नीति के जरिए निजी कंपनियों को अनुचित फायदा पहुंचाया गया। इस आरोप में मनीष सिसोदिया और बाद में अरविंद केजरीवाल को भी गिरफ्तार किया गया था।

सुनवाई के बाद अदालत ने पाया कि इस मामले में लगाए गए आरोपों के पक्ष में ठोस और विश्वसनीय सबूत नहीं थे। लिहाजा अदालत ने मामले को रद्द कर दिया और सभी तेईस आरोपियों को आरोपों से मुक्त कर दिया। अदालत की यह टिप्पणी सीबीआइ के लिए बेहद असुविधाजनक होनी चाहिए कि उसने केवल अनुमानों के आधार पर साजिश की कहानी गढ़ने की कोशिश की।

दरअसल, पिछले कुछ वर्षों के दौरान ईडी और सीबीआइ पर किसी खास मंशा से ग्रस्त होकर या अप्रत्यक्ष रूप से किसी के इशारे पर काम करने के आरोप कई बार लगे हैं। इसकी गंभीरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इन एजंसियों की कार्यप्रणाली को लेकर सुप्रीम कोर्ट को भी कई बार सख्त टिप्पणियां करनी पड़ीं। शीर्ष अदालत ने यहां तक कहा था कि ये एजंसियां गवाहों से लेकर आरोपियों तक के मामले में भेदभावकारी नीति अपनाती हैं।

मगर हैरानी की बात है कि विपक्षी दलों से लेकर अदालतों की ओर से बार-बार सवाल उठाए जाने के बावजूद ईडी और सीबीआइ के काम करने के तरीके में कोई बदलाव नहीं देखा जा रहा। इस बात पर विचार करने की जरूरत है कि ईडी की ओर से जितने भी मामले दर्ज किए जाते हैं, उसमें दोषसिद्धि की दर कितनी है और ऐसा क्यों है। क्या यह चिंता की बात नहीं होनी चाहिए कि सिर्फ कामकाज की शैली की वजह से जिस तरह इन एजंसियों की साख पर सवाल उठ रहे हैं, उससे सही मामलों में भी इनकी विश्वसनीयता संदेह के घेरे में रहेगी?

लाल घेरे के बीच सफेद गोला, आखिर क्या है इसका मतलब?

जब आप रोड पर चलते हैं, तो आपको सिर्फ सामने की सड़क ही नहीं देखनी पड़ती, बल्कि सड़कों के किनारे लगे निशानों को भी पहचानना

जरा हट के

पड़ता है. इन निशानों के भरोसे ही आप आसानी से गाड़ी चला सकते हैं, और किसी मुसीबत में नहीं पड़ते. ऐसा अक्सर देखा गया है कि लोग कई तरह के साइनों को तो पहचान ही नहीं पाते हैं. ऐसे ही एक रोड के साइन के चर्चे सोशल मीडिया पर हैं. ये साइन आपको भारत में तो नहीं दिखेंगे, मगर ब्रिटेन में बहुत आम हैं और अगर कोई भारतीय कभी ब्रिटेन जाकर गाड़ी चलाता है, तो उसके लिए इस साइन का मतलब जान लेना जरूरी है, क्योंकि इस निशान को देखकर आप गलती नहीं कर सकते.

रिपोर्ट के अनुसार ये निशान ब्रिटेन में आसानी से दिख जाता है. लोहे के गोल बोर्ड पर लाल रंग का घेरा बना होता है. इस घेरे के अंदर सफेद रंग का गोला बना होता है. कई बार इसके ऊपर कुछ नहीं लिखा होता. जबकि कभी-कभी इसके नीचे जानकारी लिखी होती है. आप जब इस घेरे को देखेंगे, तो लगेगा कि शायद प्रशासन ने इसपर नियम नहीं लिखा, या लिखना भूल गए. पर ऐसा नहीं है. रिपोर्ट के अनुसार इस साइन का अर्थ है कि आप उस जगह गाड़ी नहीं ला सकते (No Vehicle). अक्सर इस साइन के नीचे दूसरा साइन या जानकारी लिखी होती है कि कितने बजे तक आप गाड़ी नहीं ले जा सकते हैं. कई बार लिखा होता है कि गाड़ी नहीं, मगर साइकिल ले जाया जा सकता है. ऐसे में अगर आपके सामने ये निशान आ जाए, तो उस रास्ते जाने की गलती न करें, तुरंत दूसरा मार्ग तलाश लें.

वैसे भारत में भी ऐसे कुछ निशान रोड पर दिखते हैं, जिनके मायने समझना काफी मुश्किल होता है. कई पर तो जानकारी लिखी होती है, या ऐसे मार्क बने होते हैं, जो आसानी से समझा देते हैं. मगर कुछ कंफ्यूजिंग होते हैं. जैसे उल्टा बना त्रिकोण, जो ऊपर के गोले जैसा ही लाल और सफेद निशान में होता है. इसका अर्थ होता है कि पीछे चल रही गाड़ियों को रास्ता दें. ये भारत में नजर आ जाता है.

बंगाली बैंगन भाजा

खाना-खजाना

सामग्री

- बैंगन- 1 बड़ा (गोल वाला)
- हल्दी पाउडर- 1 छोटा चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच
- नमक- स्वादानुसार
- चीनी- आधा छोटा चम्मच
- सरसों का तेल- तलने के लिए

बनाने की विधि

सबसे पहले बैंगन को अच्छी तरह धोकर सुखा लें। अब इसे गोल-गोल स्लाइस में काट लें। ध्यान रहे कि टुकड़े न तो बहुत पतले हों और न ही बहुत मोटे। इनकी मोटाई लगभग आधा इंच होनी चाहिए।

अब एक बड़ी प्लेट में हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, नमक और थोड़ी सी चीनी मिला लें और बैंगन के हर स्लाइस को मसालों के इस मिश्रण में दोनों तरफ से अच्छी तरह लपेटें। मसाले लगाने के बाद इन्हें

5-10 मिनट के लिए छोड़ दें। इससे बैंगन हल्का पानी छोड़ेगा और मसाले अंदर तक समा जाएंगे।

अब एक तवे या पैन में 2-3 बड़े चम्मच सरसों का तेल गरम करें। जब तेल से धुआं निकलने लगे, तब आंच धीमी कर दें और बैंगन के टुकड़ों को तवे पर रखें। इन्हें मध्यम आंच पर तब तक तलें जब तक कि नीचे की सतह सुनहरी भूरी और कुरकुरी न हो जाए।

अब इन्हें सावधानी से पलटें और दूसरी तरफ से भी सुनहरा होने तक पकाएं। बैंगन बहुत जल्दी पक जाता है, इसलिए ध्यान रखें कि यह जलने न पाए।

बैंगन भाजा बनकर तैयार है। इसे चावल-दाल या खिचड़ी के साथ सर्व करें।

प्रो-टिप्स

- बैंगन भाजा में चुटकी भर चीनी मिलाने से इसका स्वाद बढ़ जाता है और बैंगन को एक खूबसूरत गहरा रंग भी मिलता है।
- इस डिश का असली जादू सरसों के तेल के तीखेपन में है। रिफाइंड ऑयल में वह बात नहीं आती।
- बैंगन भाजा का असली आनंद तभी आता है जब इसे गर्मागर्म परोसा जाए। ठंडा होने पर यह नरम पड़ सकता है।

मौसमी बुखार को न करें नजरअंदाज

स्वास्थ्य मंत्रालय की सलाह : सुरक्षित रहने के लिए बताए जरूरी उपाय

[redacted] दिनों मौसम में तेजी से [redacted] हो रहा है, दिन में अधिक तापमान और सुबह-शाम इसमें गिरावट वाला सीजन आपके लिए समस्याकारक हो सकता है। इस तरह के बदलते मौसम में आपके बीमार पड़ने का खतरा भी बढ़ जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इन दिनों सीजनल फ्लू का समस्या अधिक देखी जाती रही है। जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है उनके बीमार पड़ने की खतरा ज्यादा हो सकता है। बीमारियों से बचाव को लेकर सभी लोगों को अलर्ट रहने की जरूरत है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने इन दिनों में सभी लोगों को विशेष सावधानी बरतते रहने की सलाह दी है। सीजनल फ्लू, इन्फ्लूएंजा वायरस के कारण होने वाला श्वसन संक्रमण है। यह दुनिया के सभी हिस्सों में आम है। अधिकांश लोग बिना उपचार के ही

ठीक हो जाते हैं। इन्फ्लूएंजा का संक्रमण खांसने या छींकने से आसानी से फैलता है।

मौसम में बदलाव और फ्लू की समस्या

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, संक्रमण को नियंत्रित करने और स्वस्थ रहने के लिए इन दिनों सभी लोगों को एहतियाती उपाय करना जरूरी है। यदि आप मौसमी फ्लू के लक्षणों का अनुभव करते हैं तो संक्रमण को फैलने से रोकने और परिवार के अन्य लोगों को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक सावधानी बरतें। इन्फ्लूएंजा के कारण बुखार होने या ठंड महसूस होने, खांसी-गला खराब होने, नाक बहने, मांसपेशियों या शरीर में दर्द के साथ थकान की दिक्कत बनी रहती है। कुछ लोगों को बुखार और लक्षणों को ठीक करने के लिए सामान्य उपचार की आवश्यकता हो सकती है।

मंत्रालय की सलाह?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, मौसमी फ्लू के दौरान कुछ लोगों को उल्टी और दस्त हो सकते हैं, हालांकि यह वयस्कों की तुलना में बच्चों में अधिक आम है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी साझा करते हुए संक्रामक रोग से बचाव के लिए कुछ उपायों पर ध्यान देते रहने की सलाह दी है।

- घर पर रहें और लोगों के संपर्क में आने से बचें
- भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क अवश्य पहनें
- डॉक्टर से सलाह लेकर ही दवा लें।

मौसमी फ्लू के अधिकांश लक्षण 4 से 7 दिनों में दूर हो जाते हैं। खांसी और थकान हफ्तों तक बनी रह सकती है। बीमारी की स्थिति में भूख न लगने या खाने की इच्छा न होने की भी समस्या हो सकती है।

घंटों बैठे रहने पर भी पेट नहीं होता साफ

दिनभर चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए पेट का साफ रहना जरूरी होता है। अगर पेट साफ नहीं होगा तो आपको बार-बार वॉशरूम जाना पड़ सकता है। सुबह पेट साफ न होने की कई वजह हो सकती हैं। जैसे शरीर में पानी की कमी, खाना-खाने का गलत समय, नींद पूरी न होना और गलत खान-पान। पेट साफ न होने की समस्या से पीड़ित लोग दिनभर गैस-एसिडिटी, पेट दर्द और सीने में जलन जैसी समस्याओं से परेशान रहते हैं। इस परेशानी से निपटकर एक ही बार में पेट साफ करने के लिए आप इन तरीकों को अपना सकते हैं।

■ तुरंत अपनाएं ये चीजें

1) पेट साफ करने के लिए सबसे जरूरी है कि आप खूब पानी पीना शुरू कर दें। ऐसा करने पर शरीर से सभी टॉक्सिन को बाहर निकालने में मदद मिलती है। इसके लिए सुबह सबसे पहले गुनगुने पानी को पीएं।

2) पेट साफ करने के लिए फाइबर से भरपूर चीजों को खाने में शामिल करें। ये आपके पाचन स्वास्थ्य को बनाए रखता है। फाइबर से पूर्ण चीजें मल त्याग को सही और नियमित रखती हैं। सेब, नाशपाती, स्ट्रॉबेरी, गाजर, अमरूद जैसी चीजें फाइबर से भरपूर होती हैं।

3) कब्ज से पीड़ित लोगों के लिए सेब, नींबू और एलोवेरा जैसे फलों और सब्जियों के रस के मिक्स में पोषक तत्व होते हैं। ऐसे में ये जूस कोलन मूवमेंट को ट्रिगर करके, पेट को साफ करते हैं।

4) एक बार में पेट साफ नहीं हो रहा है और अपच की समस्य हो तो पेट साफ करने के लिए आप एक गिलास गर्म पानी के साथ एक चम्मच हींग पाउडर डालकर पी सकते हैं।

5) पेट के लिए दही रामबाण मानी जाती है। एक रिसर्च के मुताबिक दही में पाया जाने वाला लैक्टिक एसिड पेट की समस्याओं में फायदा देता है। ऐसे में रोजाना की थीली में दही को शामिल करें या फिर खाने के बाद एक कटोरी दही खाएं या छाछ पीएं।

आज का राशिफल

मेष : स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। यात्रा की योजना बनेगी। घर-बाहर कुछ तनाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृषभ : पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा। शेयर मार्केट में लाभ रहेगा। नौकरी में सुविधाएं बढ़ सकती हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धन प्राप्ति सुगमता से होगी।

मिथुन : दुःखद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

कर्क : भूले-बिसरे साथी तथा आगंतुकों के स्वागत तथा सम्मान पर व्यय होगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। परिवार के सदस्यों की उन्नति के समाचार मिलेंगे। पारिवारिक सहयोग बना रहेगा। किसी व्यक्ति की बातों में न आएं.

सिंह : घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। नौकरी में चैन महसूस होगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। मित्रों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा की योजना बनेगी। प्रसन्नता रहेगी।

कन्या : यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। काम में लगन तथा उत्साह बने रहेंगे। मित्रों के साथ प्रसन्नतापूर्वक समय बीतेगा।

तुला : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेवजह लोगों से मनमुटाव हो सकता है। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। कानूनी अड़चन आ सकती है। विवाद न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी।

धनु : नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। बड़ा कार्य करने का मन बनेगा। जोखिम न उठाएं।

मकर : किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे। चोट व दुर्घटना से बचें। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। विवाद से बचें। धन प्राप्ति होगी। प्रमाद न करें।

कुंभ : स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा। अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। हितैषी सहयोग करेंगे। धनार्जन संभव है।

मीन : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। नए लोगों से संपर्क होगा। आय में वृद्धि तथा आरोग्य रहेगा। चिंता में कमी होगी। जल्दबाजी न करें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

वजन घटाने का ये है 5 सिंपल फॉर्मूला

■ हर उम्र के लोगों के लिए है फायदेमंद

खराब जीवनशैली, अनहेल्दी खानपान, शारीरिक रूप से एक्टिव ना रहने से आजकल अधिकतर लोग मोटापे का शिकार हो रहे हैं. वजन बढ़ने से काफी लोग परेशान हैं. कई तरह के तरकीब आजमाने के बाद भी वजन घटने का नाम नहीं लेता है. आयुर्वेदिक एक्सपर्ट डॉ. दीक्षा भावसार ने सभी उम्र के लोगों के लिए 5 बेहद ही सामान्य से वजन घटाने के टिप्स अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किए हैं. आप डेली रूटीन में इसे फॉलो करके अपना वजन कंट्रोल में रख सकते हैं.

1. सर्कैडियन रिदम फास्टिंग

सूर्योदय से सूर्यास्त तक हम सभी भोजन करते हैं, इसका मतलब ये है कि आप 12 घंटे खाते हैं और बाकी 12 घंटे उपवास करते हैं. उदाहरण के लिए, आमतौर पर लोग नाश्ता सुबह 7-8 बजे और रात का खाना 7-8 बजे तक कर लेते हैं. आप रात के खाने से लेकर अगले दिन के नाश्ते तक उपवास करते हैं. पानी के अलावा कुछ भी नहीं खाते/पीते हैं. यह आपके शरीर को आप जो कुछ भी खाते हैं, उसे पचाने और अनावश्यक सभी चीजों को बाहर निकालने में मदद करता है. 12 घंटे का उपवास करके आप अपने पेट को पर्याप्त आराम देते हैं. इससे आपका वजन भी कम होता है.

2. पर्याप्त पानी पीना

जब आप अधिक और पर्याप्त रूप से पानी पीते हैं तो आपके खाने की क्रेविंग कम होती है, क्योंकि यह आपको तृप्त करता है. पर्याप्त पानी पीना आपके शरीर को डिटॉक्सीफाई करने का सबसे अच्छा तरीका है. यह उचित पाचन और उत्सर्जन में भी मदद करता है. कम पानी के सेवन से कब्ज, डिहाइड्रेशन हो

सकता है, जिससे हार्मोन असंतुलित हो सकते हैं और वजन बढ़ सकता है. शरीर से अतिरिक्त चर्बी कम करने के लिए आप गर्म पानी पिएं.

3. चीनी, प्रॉसेस्ड फूड ना लें

वजन घटाने का सबसे ईजी फॉर्मूला है कि आप अधिक मीठा, तली हुई चीजें, प्रॉसेस्ड फूड का सेवन कम से कम करें. यह फॉर्मूला हर उम्र के लोगों पर लागू होता है. इन खाद्य पदार्थों से परहेज करने से आपके लीवर पर कम दबाव पड़ता है, जिससे बेहतर पाचन और डिटॉक्स होता है. यह आपकी आंत में सूजन को भी कम करता है, जिससे आपके द्वारा खाए जाने वाले खाद्य पदार्थों से बेहतर रूप से पोषण अवशोषित कर पाता है.

4. श्वसन क्रिया और टहलना है जरूरी

चलने-फिरने से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन सही से बना रहता है. प्रत्येक दिन शारीरिक रूप से 60 मिनट एक्टिव रहें. इसके लिए एक्सरसाइज करें. दौड़ें, टहलें. इससे शरीर की सभी कोशिकाओं को पर्याप्त पोषण और ऑक्सीजन मिलता है. श्वसन क्रिया आपके मन को शांति प्रदान करती है. आपको मन लगाकर खाने में मदद करती है. सोच-समझकर भोजन करें. शरीर की आवश्यकता से अधिक/कम खाने की कोशिश ना करें, क्योंकि यह लेप्टिन-ग्रेलिन (भूख और तृप्ति हार्मोन) के स्राव में सामंजस्य स्थापित करता है.

5. अच्छी नींद लेना

नींद हमारे शरीर से अतिरिक्त चर्बी कम करने का सबसे अच्छा तरीका है. रात 10 बजे तक सोने से लिवर डिटॉक्स होता है, क्योंकि रात 10 बजे से 2 बजे तक पित्त प्रधान समय होता है. इससे वजन तेजी से कम होता है. खासकर अगर आपने रात का खाना जल्दी खा लिया हो लगभग 7-8 बजे से पहले. तो आपको वजन कम करना है तो प्रतिदिन भरपूर नींद लेना जरूरी है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

6 फेरे लेने के बाद दुल्हन फेंकने लगी सामान

औरैया. यूपी के औरैया में आयोजित सामूहिक विवाह में पहले ही वैवाहिक बंधन में बंध चुके दूल्हा-दुल्हन की घर पर दोबारा हो रही शादी हंगामे में बदल गई। दुल्हन ने पंडित पर उल्टे फेरे कराने का आरोप लगा सामान फेंकना शुरू कर दिया। छह फेरे हो चुके थे। दुल्हन ने सातवां फेरा लेने से मना कर दिया। हंगामा इतना बढ़ा कि दूल्हे ने दुल्हन का मानसिक संतुलन ठीक न होने की बात कहकर शादी से इनकार कर दिया। इसके बाद पुलिस को मौके पर बुलाना पड़ा। करीब दो घंटे तक चले तनाव के बाद पुलिस की मौजूदगी में सातवां फेरा पूरा कराया गया, तब जाकर दुल्हन की विदाई हो सकी।

साले ने जीजा के क्यों सटाकर मार दी गोली?

मुरादाबाद. यूपी के मुरादाबाद में शुक्रवार की शाम को हुई महिला जज के पिता और कारोबारी के सनसनीखेज मर्डर की वजह सामने आ गई है। कारोबारी की हत्या का आरोप असद के ही साले हिस्ट्रीशीटर जफर पर लगा है। पुलिस के अनुसार जफर हुसैन ने दिसंबर माह में मोहम्मद असद से दस लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी। रकम न देने पर ही उसने योजनाबद्ध तरीके से हत्याकांड को अंजाम दिया है। जिसका मुकदमा मझोला थाने में दर्ज है। इसके अलावा जफर के खिलाफ सिविल लाइंस थाने में उसके सगे भाई मुजाहिद ने भी धोखाधड़ी और जालसाजी कर मकान पर कब्जा करने का मुकदमा दर्ज करा रखा है।

1200 से अधिक फर्जी फर्म बनाकर सरकार को लगाया करोड़ों का चूना, चार गिरफ्तार

सीतापुर. यूपी के सीतापुर में बेरोजगार युवाओं को नौकरी का लालच देकर उनके शैक्षिक दस्तावेजों के जरिए फर्जी फर्म बनाकर करोड़ों की जीएसटी चोरी करने अंतरराज्यीय गिरोह के चार शातिरों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी तमिलनाडु, कर्नाटक, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में 1200 से अधिक जीएसटी की फर्जी फर्म बनाकर करोड़ों रुपये की जीएसटी चोरी की। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो लाख 30 हजार रुपये कैश, लैपटॉप, कई मोबाइल, सिमकार्ड, एटीएम कार्ड, पैन कार्ड, चेकबुक, पासबुक, कीमती अंगूठी व एक चौपहिया गाड़ी बरामद की है।एसपी अंकुर अग्रवाल के मुताबिक जानकारी मिली की कुछ लोग जिले में लोगों को नौकरी का लालच देकर उनके दस्तावेज एकत्र कर लेते हैं और उन्हीं दस्तावेजों के सहारे फर्जी फर्म बनाकर बड़े पैमाने पर जीएसटी चोरी की घटनाएं अंजाम दे रहे हैं। इस सूचना पर पुलिस व क्राइम ब्रांच को लगाया गया।

इजराइली हमले में ईरानी रक्षामंत्री के मारे जाने की खबर

- अमेरिका के साथ मिलकर 10 शहरों पर हमला
- ईरान ने भी इजराइल-दुबई पर 400 मिसाइलें दागीं

इजराइल ने शनिवार सुबह ईरान की राजधानी तेहरान समेत कई शहरों पर बड़ा हमला किया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि इजराइली हमले मे ईरानी रक्षामंत्री अमीर नासिरजादेह और रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स (IRGC) के कमांडर मोहम्मद पाकपोर की मौत हो गई।

इससे पहले ईरानी न्यूज एजेंसियों ने बताया था कि दक्षिणी ईरान के एक स्कूल पर मिसाइल गिरने से 40 छात्राओं की मौत हो गई, जबकि 45 घायल हैं।

इजराइल ने अमेरिका के साथ मिलकर ईरान के 10 शहरों पर एयरस्ट्राइक की है। हमले के बाद ट्रम्प ने वीडियो जारी कर कहा कि ईरान पर यह हमला अमेरिकी नागरिकों की रक्षा के लिए किया गया है। जवाब में ईरान ने इजराइल पर करीब 400 मिसाइलें दागीं और कतर, कुवैत, जॉर्डन, बहरीन, सऊदी अरब व UAE में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को भी निशाना

बनाया। इतना ही नहीं, ईरान ने UAE के सबसे ज्यादा आबादी वाले शहर दुबई पर भी हमला किया।

ईरान और अमेरिका के बीच चल रही परमाणु समझौते की बातचीत में बैलिस्टिक मिसाइल प्रोजेक्ट सबसे बड़ा विवाद का मुद्दा बन गया है। ईरान इस पर बिल्कुल भी समझौता करने को तैयार नहीं है और इसे अपनी रेड लाइन मानता है।

ईरान का कहना है कि यह उसके बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम रक्षा के लिए जरूरी है। ईरान का कहना है कि जून 2025 में इजराइल और अमेरिका ने ईरान के परमाणु साइटों पर हमला किया, तब ईरान की मिसाइलों ने ही उसकी रक्षा की।

ईरानी अधिकारियों ने बार-बार कहा है कि मिसाइल कार्यक्रम पर कोई बात नहीं होगी। यह ईरान की रक्षात्मक क्षमता है और इसे छोड़ना मतलब खुद को कमजोर करना होगा। ईरान कहता है कि बातचीत सिर्फ परमाणु कार्यक्रम तक सीमित रहेगी, मिसाइल या क्षेत्रीय समूहों पर नहीं।

अमेरिका और इजराइल का जॉइंट मिलिट्री एक्शन

इजराइल ने ईरान के खिलाफ अपने नए अभियान का नाम 'लियोनस् रोर' (शेर की दहाड़) रखा है। ये हमला ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु हथियारों को लेकर चल रही बातचीत के बीच हुआ है।
राष्ट्रपति ट्रम्प ने हाल ही में ईरान पर हमले की धमकी दी थी। ट्रम्प के मुताबिक, अमेरिकी सेना ईरान की मिसाइलों को तबाह करने और उसके मिसाइल प्रोग्राम को खत्म करने की कोशिश कर रही है।

इजरायल-ईरान युद्ध से भारत पर पड़ेगा बड़ा असर?

- कैसे पाकिस्तान उठा सकता है फायदा

मध्य एशिया में एक बार फिर बड़ा युद्ध छिड़ गया है। जाहिर तौर पर एशिया में होने वाले युद्ध का बड़ा असर भारत पर भी पड़ने वाला है। वह भी तब जब कि लड़ने वाले दोनों ही देश भारत के दोस्त हैं। अमेरिका और इजरायल ने मिलकर इस बार ईरान पर हमला किया है। जानकारी के मुताबिक हमले आयतुल्लाह खामेनेई के कार्यालय के पास हुए। रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि खामेनेई का आवास ही तबाह कर दिया गया है। डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की जनता से सत्ता की बागडोर अपने हाथ में लेने की आपील करदी

है। वहीं भारत सरकार ने इजरायल और ईरान में रहने वाले अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है।

भारत के संबंध ईरान और इजरायल दोनों से ही अच्छे हैं। भारत दोनों के सा व्यापारिक संबंध भी रखता है। भारत ईरान से बड़ी मात्रा में तेल खरीदता है। भारत और ईरान बीच सांस्कृतिक और व्यापार संबंध अच्छे रहे हैं। 2016 में प्रधानमंत्री मोदी की ईरान यात्रा के दौरान ही चाबहार बंदरगाह को लेकर समझौता किया गया था। इसके बाद से भारत हर बार चाबहार के लिए बजट निर्धारित करता था। हालांकि इस बार पहली बार है जब चाबहार के लिए बजट नहीं दिया गया है।

- भारत पर पड़ेगा बड़ा असर

द डिप्लोमैट की रिपोर्ट की मानें तो भारत पर बड़ा असर इसलिए भी पड़ सकता है क्योंकि मध्य एशिया से भारत ईरान के ही रास्ते जुड़ता है। वहीं चाबहार बंदरगाह चीन और पाकिस्तान को जवाब देने के लिए भी भारत के लिए अहम है। पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह पर चीन कब्जा करना चाहता है और वह विकास परियोजनाएं चला रहा है। ऐसे में भारत का चाबहार पोर्ट के लिए समझौता करना बेहद अच्छा रणनीतिक कदम था।

चीन और पाकिस्तान उठा सकते हैं फायदा

चीन और पाकिस्तान यही चाहते हैं कि भारत की पकड़ मध्य एशिया पर किसी तरह ढीली हो। चीन अफगानिस्तान और पाकिस्तान को मिलाकर आगे बढ़ने की रणनीति तैयार करना चाहता है। अगर चाबहार का रास्ता बाधित होता है तो भारत और अफगानिस्तान के व्यापारिक संबंध भी प्रभावित होंगे और इसका फायदा चीन उठाने की कोशिश करेगा। अगर अफगानिस्तान में चीन की पैठ बढ़ती है तो पाकिस्तान का भी फायदा निश्चित है।

'50 हजार भारतीय ईरान में'

अमेरिका और इजरायल ने शनिवार को ईरान पर हमले शुरू कर दिए। ईरान की ओर से भी बड़े पैमाने पर मिसाइलें दागी गई हैं। ईरान में भारतीय दूतावास ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसमें भारतीयों से अत्यधिक सावधानी बरतने और जहां तक संभव हो घर के अंदर रहने की अपील की है। AIMIM चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने इस मामले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, 'भारत के 50 हजार नागरिक ईरान में हैं और 10 हजार लोग इजरायल में हैं। हम उम्मीद करते हैं कि उनको वापस लाया जाए।'

आंध्र प्रदेश - पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, 21 की मौत

- 8 गंभीर घायल
- धमाके की आवाज 5km दूर तक सुनाई दी

काकीनाडा. आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले के वेटलापलेम गांव में शनिवार को पटाखा बनाने वाली यूनिट में धमाका हो गया। हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि दोपहर करीब 2 बजे ब्लास्ट हुआ। धमाके इतना भीषण था कि इसकी आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। इसके बाद ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और हादसे में घायल लोगों को अस्पताल भेजना

शुरू किया।

पुलिस अधिकारी ने बताया- धमाका इतना तेज था कि लाशें पास के धान के खेतों में जाकर गिरीं। हरे-भरे धान के खेतों के बीच डरावना मंजर देखने को मिला, जब स्थानीय लोग बाराकालू, यानी खाद की बोरियों से बनी चादरों में लाशें ले जाते दिखे। पुलिस ने पास के खेतों में बिखरे शरीर के हिस्सों का पता लगाने के लिए ड्रोन तैनात किए हैं। काकीनाडा गवर्नमेंट हॉस्पिटल के सुपरिंटेंडेंट ने कहा कि हॉस्पिटल में आए घायल 90 से 100 परसेंट तक जले हुए हैं। उनका इलाज जारी है।

PM ने 2 लाख रुपए देने का ऐलान किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर दुख जताते हुए हर मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री नेशनल रिलीफ फंड (PMNRF) से दो लाख रुपए देने का ऐलान किया है। वहीं घायलों को ₹50,000 की आर्थिक मदद दी जाएगी।

CM नायडू ने दुख जताया

मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने घटना पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने संबंधित मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर हालात की निगरानी करने को कहा है। प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुटा है।

अन्ना हजारे बोले- अब देश के लिए काम करें

दिल्ली. दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए शुक्रवार का दिन बड़ी राहत लेकर आया। दिल्ली की एक अदालत द्वारा कथित आबकारी नीति (शराब नीति) मामले में केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और 21 अन्य को आरोप मुक्त किए जाने के फैसले का उनके गुरु और प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे का भी बयान सामने आया है। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले में अपने पैतृक गांव रालेगण सिद्धि में पत्रकारों से बात करते हुए अन्ना ने अदालती फैसले का सम्मान करने की बात कही है। भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के प्रणेता अन्ना हजारे ने कहा कि भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश की सुचारू व्यवस्था का श्रेय हमारी न्यायपालिका को जाता है।

राहुल गांधी का वित्त मंत्री सीतारमण को लेटर

- लिखा- एक्स-सर्विसमेन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम के लिए पर्याप्त बजट दें
- दिव्यांगता पेंशन से इनकम टैक्स हटाएं

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखा है। उन्होंने सशस्त्र बलों के पूर्व सैनिकों से जुड़े दो महत्वपूर्ण मुद्दों पर हस्तक्षेप की मांग की है।

25 फरवरी 2026 को लिखे लेटर में राहुल ने एक्स-सर्विसमेन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम (ECHS) के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध कराने और दिव्यांगता पेंशन पर

लगाए गए नए आयकर प्रावधान को वापस लेने मांग की।

राहुल ने लिखा है कि एक्स-सर्विसमेन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम का उद्देश्य पूर्व सैनिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देना है, लेकिन यह गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रही है।

उन्होंने कहा कि जिन्होंने देश की सेवा की, वे आज खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। इस लेटर एक कॉपी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भी भेजी गई है।

दरअसल, राहुल गांधी डिफेंस की पार्लियामेंट स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य हैं। वे लगातार एक्स-सर्विसमेन के लिए सरकारी सुविधाएं बढ़ाने की मांग कर रहे हैं।

1 अप्रैल 2026 से दिव्यांगता पेंशन पर नए आयकर नियम लागू

केंद्र सरकार ने 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होने वाले नए आयकर नियमों के तहत पूर्व सैनिकों (Ex-servicemen) की दिव्यांगता पेंशन से जुड़े प्रावधानों में बदलाव किया है। नए नियमों के अनुसार अब केवल उन सैनिकों की दिव्यांगता पेंशन कर-मुक्त रहेगी जिन्हें दिव्यांगता के कारण सेवा से 'इनवैलिडेड आउट' किया गया है।

केजरीवाल ने कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर में पूजा की

- मनीष सिसोदिया-संजय सिंह भी साथ रहे
- दिल्ली शराब नीति केस में बरी हुए

नई दिल्ली. दिल्ली के पूर्व सीएम और AAP नेता अरविंद केजरीवाल दिल्ली के कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर में पूजा की। उनके साथ पत्नी सुनीता केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, AAP सांसद संजय सिंह समेत अन्य नेता मौजूद रहे।

एक दिन पहले ही दिल्ली शराब नीति से जुड़े सीबीआई मामले में केजरीवाल-सिसोदिया समेत 23 लोगों को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने बरी किया था। कल शाम केजरीवाल ने AAP दफ्तर में प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की थी।

उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी और अमित शाह ने हमारे खिलाफ षड्यंत्र रचा। वे AAP को हरा नहीं पाए तो खत्म करने जुट गए। उन्होंने कहा कि मैंने जिंदगी में सिर्फ ईमानदारी कमाई, कोर्ट में ये साबित हो गया। दरअसल, आरोप है कि दिल्ली में 2021-22 की आबकारी नीति में घोटाला हुआ है। केजरीवाल की सरकार के दौरान नई शराब नीति में लाइसेंस देने और मार्जिन तय करने में अनियमितताएं हुईं।

इससे कुछ निजी कारोबारियों को फायदा पहुंचा। बाद में यह नीति वापस ले ली गई। CBI केस में आरोपियों को बरी किया गया है। ED मामला फिलहाल कोर्ट में विचाराधीन है।

अगस्त 2022 में CBI की चार्जशीट के आधार पर ED ने भी इस मामले में केस दर्ज किया था। ED के मामले भी अभी सुनवाई जारी है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि CBI मामले में केजरीवाल समेत अन्य लोगों के बरी होने के कारण ये सभी ED मामले में भी बरी हो सकते हैं।

लिफ्ट देने वाले दरिंदे ने रेप कर ले ली जान

जगतसिंहपुर. ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले में एक 23 वर्षीय युवती के साथ दरिंदगी और हत्या का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में युवती के प्रेमी समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इन पर आरोप है कि इन्होंने युवती को धोखा दिया, उसके साथ रेप किया और फिर उसे एक मकान की चौथी मंजिल से नीचे फेंक दिया।

जगतसिंहपुर के पुलिस अधीक्षक (SP) अंकित कुमार वर्मा ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार किए गए प्रेमी की उम्र 31 साल है। वहीं दूसरा आरोपी 24 साल का है, जो मूल रूप से झारखंड के धनबाद का रहने वाला है और पारादीप की एक निजी कंपनी में काम करता है।

जम्मू-कश्मीर 67 साल में पहली बार रणजी चैंपियन बना

- फाइनल मैच ड्रॉ रहा
- कर्नाटक के खिलाफ पहली पारी में बढ़त के आधार पर जीत तय हुई

जम्मू-कश्मीर ने रणजी ट्रॉफी में इतिहास रच दिया है। टीम ने पहली बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जीत लिया है। टीम 1959 से इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही है और 67 साल बाद पहला खिताब जीता है। इस जीत पर जम्मू एंड कश्मीर के CM उमर अब्दुल्ला ने टीम को 2 करोड़ की इनामी राशि देने का ऐलान किया है।

बेंगलुरु के पास हुवली क्रिकेट ग्राउंड पर 5 दिन मैच में 24 फरवरी को जम्मू एंड कश्मीर की टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 584 रन बनाए थे। इसके बाद उन्होंने कर्नाटक को 293 रन पर ऑल आउट कर दिया था।

दूसरी पारी में जम्मू कश्मीर ने 4 विकेट पर 342 रन बनाए और पारी डिक्लेयर कर दी। पहली पारी में मिली बढ़त की आधार पर जम्मू कश्मीर की टीम को विजेता घोषित किया गया। टीम ने 8 बार की विजेता कर्नाटक को हराया है।

5वें दिन कामरान-साहिल के शतक

जम्मू-कश्मीर ने 5वें और आखिरी दिन 186/4 के स्कोर से खेलना शुरू किया। कामरान इकबाल (160) और साहिल लोत्रा (101) ने नाबाद शतक लगाया। टीम ने लंच के बाद लंच सेशन के बाद 342/4 को स्कोर पर दूसरी पारी डिक्लेयर कर दी, इसी को साथ मैच ड्रॉ घोषित कर दिया गया।

शुक्रवार को मुकाबले के चौथे दिन टीम ने 4 विकेट गंवा दिए। यावर हसन 1, शुभम पुंदीर 4, कप्तान पारस डोगरा 16 और अब्दुल समद 32 रन बनाकर आउट हुए। कर्नाटक से प्रसिद्ध कृष्णा 2 विकेट ले चुके हैं। विजयकुमार वैशाख और श्रेयस गोपाल को 1-1 विकेट मिला।

PM ने साणंद में सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन किया

- कहा- देश आज हार्डवेयर बनाने के लिए भी पहचाना जा रहा
- 22,516 करोड़ से बना प्लांट

साणंद. पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के साणंद में माइक्रोन टेक्नोलॉजी की सेमीकंडक्टर असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग (ATMP) फैसिलिटी का उद्घाटन किया।

पीएम ने कहा कि 10-11 साल पहले तक भारत में डेटा और चिप की चर्चा कम होती थी। पहले देश की पहचान सॉफ्टवेयर के रूप में थी, आज भारत हार्डवेयर बनाने के लिए भी पहचाना जाने लगा है।

उन्होंने कहा- जून 2023 में MOU साइन हुआ, सितंबर 2023 में काम शुरू हुआ और फरवरी 2026 में यहां प्रोडक्शन शुरू हो गया। इस सेक्टर को जानने वाले समझते हैं कि यह बहुत तेज रफ्तार है। साफ नीयत हो तो नीतियां भी साफ बनती हैं और फैसले जल्दी होते हैं।

इस प्लांट में पहली बार मेड इन इंडिया सेमीकंडक्टर मेमोरी

मॉड्यूल्स का कमर्शियल प्रोडक्शन और शिपमेंट शुरू होगा। यह केंद्र सरकार के मेक इन इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन का पहला प्रोजेक्ट है। यह प्लांट 22,516 करोड़ रुपए की लागत से बना है।

पीएम की स्पीच की 4 बड़ी बातें...

- माइक्रोन की ये फेसिलिटी, आज का ये कार्यक्रम भारत और अमेरिका के बीच मजबूत साझेदारी का प्रमाण है। AI और चिप जैसे क्षेत्र में हमारी साझेदारी अहम है। दुनिया की दो बड़ी डेमोक्रेसी दुनिया के विकास के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।
- पिछली शताब्दी का रेग्युलेटर तेल था तो इस शताब्दी का रेग्युलेटर चिप होने वाली है। जब दुनिया कोविड से जूझ रही थी तब भारत ने सेमिकंडक्टर की घोषणा की थी।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को हाई कोर्ट से बड़ी राहत

प्रयागराज. स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को शुक्रवार को इलाहाबाद हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई। अग्रिम जमानत की उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस जितेंद्र कुमार सिन्हा की बेंच ने फैसला रिजर्व रख लिया और उनकी गिरफ्तारी पर फिलहाल के लिए रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा है कि आदेश सुनाए जाने तक उनको गिरफ्तार न किया जाए। इस आदेश के बाद पुलिस फिलहाल स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को गिरफ्तार नहीं कर सकेगी। हालांकि कोर्ट ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से जांच में सहयोग करने को भी कहा है। अब सभी की नजरें कोर्ट के अंतिम फैसले पर टिकी हैं।

इलाहाबाद हाई कोर्ट में शुक्रवार को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती मामले में अग्रिम जमानत

की पोषणीयता पर बहस हुई। इसमें राज्य सरकार और शिकायतकर्ता के अधिवक्ताओं ने अग्रिम जमानत का विरोध किया। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने दलीलें पेश कीं। उनकी ओर से शिकायतकर्ता आशुतोष ब्रह्मचारी की क्रिमिनल हिस्ट्री की जानकारी दी गई। कोर्ट में इस मामले में दर्ज एफआईआर को भी पढ़ा गया। एक बच्चे के बारे में कहा गया कि वह मार्कशीट में बालिग है। उधर, शिकायतकर्ता की ओर से हाई कोर्ट में पेश हुए अधिवक्ता ने अग्रिम जमानत का विरोध किया। दोनों पक्षों के वकीलों के बीच हुई जिरह को सुनने के बाद कोर्ट ने अग्रिम जमानत पर अपना फैसला सुनाया।

राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता ने अपनी दलीलें पेश कीं। उन्होंने भी अग्रिम जमानत का विरोध किया। बता दें कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, मुकुंदानंद और दो-तीन अन्य लोगों के खिलाफ दो बटुकों की ओर से पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज होने के बाद स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। पुलिस द्वारा एफआईआर न किए जाने पर आशुतोष ब्रह्मचारी ने 173 (4) के तहत जिला अदालत में याचिका दाखिल की थी। रेप एंड पोक्सो स्पेशल कोर्ट के जज विनोद कुमार चौरसिया के आदेश के बाद झूंसी थाने की पुलिस ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, मुकुंदानंद और दो-तीन अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

इलाहाबाद हाई कोर्ट में जस्टिस जितेंद्र कुमार सिन्हा की बेंच ने शुक्रवार को दोपहर बाद इस याचिका पर सुनवाई की। केस की संवेदनशीलता को देखते हुए कानूनी गलियारों में इस पर सबकी नजरें टिकी हुई थीं। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने अपने लगे आरोपों को पूरी तरह निराधार और सत्ता का षड़यंत्र बताया। उन्होंने सवाल उठाया कि जांच में शिकायतकर्ता आशुतोष महाराज पुलिस के साथ क्यों मौजूद है? स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के अनुसार पीड़ित बताए जा रहे बच्चे लंबे समय से आशुतोष ब्रह्मचारी के पास ही रह रहे हैं।

रजिस्ट्रेशन ऑफ न्यूज पेपर (सेंट्रल) रूल्स 1956 के अंतर्गत दैनिक उल्हास विकास पत्र के संबंध में स्वामित्व तथा अन्य विवरण विषयक जानकारी

घोषणा

(फार्म - 4)

1) प्रकाशन स्थल :	दैनिक उल्हास विकास, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के सामने, गोल मैदान, उल्हासनगर-1
(2) प्रकाशन क्रम :	दैनिक (शनिवार को छोड़कर)
(3) प्रकाशक :	हीरो अशोक बोधा
(4) संपादक :	हीरो अशोक बोधा
(5) नागरिकताः	भारतीय
(6) पता :	ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के सामने, गोल मैदान, उल्हासनगर-421001.
(7) मुद्रक :	हीरो अशोक बोधा
(8) मुद्रण स्थान :	ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के सामने, गोल मैदान, उल्हासनगर-421001.

मैं **हीरो अशोक बोधा** घोषित करता हूं कि उपरोक्त विवरण मेरी जानकारी तथा विश्वास के अनुसार सही है.

(हीरो अशोक बोधा)

दिनांक : 28 फरवरी 2026

संक्षेप...

बुजुर्ग को लगाया 88 हजार का चूना

कल्याण. एटीएम सेंटर में हेराफेरी कर बुजुर्ग व्यक्ति के साथ ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। घटना रामनगर के राजाजी पथ पर स्थित बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम सेंटर की है। सिंधुदुर्ग, कोंकण के रहने वाले महेंद्र रामचंद्र जोशी (62) नामक बुजुर्ग व्यक्ति रामनगर स्थित राजाजी पथ पर ई-गैलरी परिसर में बने बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम सेंटर में पैसे निकालने पहुंचे। इस दौरान अज्ञात व्यक्ति मशीन के पास आया और कथित तौर पर बटन दबाकर एटीएम में हेराफेरी किया। जोशी के अनुसार उनके खाते से 88 हजार रुपये निकाल लिए गए।

भगवान श्रीराम के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट

- बदलापुर में युवती की स्टेटस से बवाल
- थाने के बाहर जुटी भीड़, कार्रवाई की मांग

बदलापुर. बदलापुर में एक युवती द्वारा भगवान श्रीराम के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने के बाद शहर में तनाव का माहौल बन गया. जानकारी के अनुसार, युवती ने कार चलाते समय एक वीडियो बनाया और उसे अपने सोशल मीडिया स्टेटस पर पोस्ट कर दिया.

वीडियो कुछ ही समय में तेजी से वायरल हो गया, जिसके बाद विभिन्न हिंदुत्ववादी संगठनों ने तीव्र नाराजगी व्यक्त की. वायरल वीडियो को लेकर शहर में विरोध शुरू हो गया और बड़ी संख्या में लोग कार्रवाई की मांग करने लगे.

वीडियो सामने आते ही सैकड़ों कार्यकर्ता बजरंग दल तथा वारकरी संप्रदाय के प्रतिनिधि बदलापुर पूर्व पुलिस थाने पहुंचे. प्रदर्शनकारियों ने युवती के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस को ज्ञापन सौंपा.

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए युवती के खिलाफ केस दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है. पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मामले की जांच जारी है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

रिक्शा संगठनों का बंद, अतिरिक्त बंदोबस्त तैनात

घटना की शहर के विभिन्न संगठनों द्वारा निंदा की गई है. इस बीच जानकारी सामने आई है कि युवती की मां स्थानीय भाजपा महिला शहराध्यक्ष हैं.

युवती के विरोध में रिक्शा संगठनों ने बंद आंदोलन का आह्वान किया, जिसके चलते बदलापुर के कई इलाकों में रिक्शा सेवा ठप रही. यात्रियों को पैदल या वैकल्पिक साधनों से सफर करना पड़ा. फिलहाल पुलिस स्थिति को नियंत्रण में रखने के प्रयास कर रही है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है.

कर्मचारियों-अधिकारियों का आनन-फानन में ट्रांसफर

- भिवंडी मनपा में लेबर यूनियनें परेशान

भिवंडी. भिवंडी शहर महानगरपालिका में एडमिनिस्ट्रेटिव राज खत्म हो गया है और जनप्रतिनिधि सत्ता में आ गए हैं, और सीनियरिटी को किनारे रखकर एडमिनिस्ट्रेटिव काम के नाम पर महानगरपालिका में फिर से ट्रांसफर का दौर शुरू हो गया है। महानगरपालिका के डिप्टी कमिश्नर विक्रम दराडे ने 52 प्रभारी चपरासी, सफाई कर्मचारी, क्लर्क, वार्ड ऑफिसर, असिस्टेंट कमिश्नर और अलग-अलग डिपार्टमेंट में काम करने वाले कर्मचारियों के ट्रांसफर के लिए चार अलग-अलग ऑर्डर जारी किए हैं। बताया गया है कि ये ट्रांसफर कमिश्नर के ऑर्डर के मुताबिक किए गए हैं।

अचानक हुए ट्रांसफर से महानगरपालिका में काम करने वाले कर्मचारियों और अलग-अलग ट्रेड यूनियन के पदाधिकारियों ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि वे इस बारे में महानगरपालिका कमिश्नर और राज्य सरकार के अर्बन डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के प्रिंसिपल सेक्रेटरी से शिकायत करेंगे। पिछले साढ़े तीन साल से मनपा में एडमिनिस्ट्रेशन के दौरान एडमिनिस्ट्रेटर, कमिश्नर और डिप्टी कमिश्नर ने अपनी मर्ज़ी से अधिकारियों और कर्मचारियों के ट्रांसफर किए हैं। मनपा में ऐसी घटनाएं भी हुई हैं, जहां कुछ तत्कालीन कमिश्नर ट्रांसफर किए गए अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ व्यस्त रहे और कुछ ही दिनों में उन्हें उनकी पिछली पोस्ट पर नियुक्त कर दिया। सीनियरिटी को ध्यान में रखे बिना किए जा रहे ट्रांसफर को लेकर, इंडियन वर्कर्स फेडरेशन यूनियन और मनपा में दूसरी ट्रेड यूनियनों के पदाधिकारियों ने आपत्ति जताई है और पहले भी कमिश्नर से लिखित शिकायत की है, लेकिन उनकी लापरवाही से मनपा के कामकाज में गड़बड़ी हुई है।

सीनियरिटी को किया जा रहा नजरअंदाज

भिवंडी मनपा का आस्थापना विभाग इस बात को ध्यान में रख रहा है कि अधिकारियों और कर्मचारियों के ट्रांसफर में सीनियरिटी को नज़रअंदाज़ किया जा रहा है, लेकिन इंडियन वर्कर्स फेडरेशन यूनियन और मनपा में नागरिकों की बार-बार शिकायतों के बावजूद सीनियर लेवल से उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। पीपुल्स रिपब्लिकन पार्टी के नेता सिद्दीक फक्की ने शिकायत की है कि सफाई कर्मचारियों को इंचार्ज क्लर्क, बिट इंस्पेक्टर, चपरासी और वार्ड ऑफिस जैसे कई प्रतिष्ठित पदों पर नियुक्त किया जा रहा है।

भिवंडी में महापौर की पहल पर डीप क्लीन सैनिटेशन कैंपेन शुरू

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी में गंदगी और कचरे के ढेर हमेशा खबरों में रहते हैं. नारायण चौधरी के भिवंडी मनपा का महापौर बनने के बाद उन्होंने शहर में सफाई को प्राथमिकता दी है. उनकी पहल पर शहर में डीप क्लीन सैनिटेशन कैंपेन चलाया जाएगा। जिसमें सड़कों पर जमी धूल और गंदगी को पूरी तरह से हटाया जाएगा और पानी का छिड़काव किया जाएगा. उक्त मुहिम की शुरूआत महापौर नारायण चौधरी की मौजूदगी में कल्याण नाका ट्रैफिक शाखा कार्यालय से शुरू की गई. स्वच्छता मुहिम मौके पर शहर अभियंता जमील पटेल, मुख्य स्वच्छता निरीक्षक जे एम सोनवणे, स्वच्छता निरीक्षक भंडारी और भारी संख्या में सफाई कर्मचारी मौजूद थे.

भिवंडी की स्वच्छता को प्राथमिकता

महापौर नारायण चौधरी ने कहा कि हम शहर में सफाई को प्राथमिकता देंगे और इसके लिए शुरू किए गए सफाई अभियान के जरिए शहर की सूरत बदलने का हमारा इरादा है. सभी म्युनिसिपल कर्मचारियों और नागरिकों का सहयोग कीमती होगा. मार्च में प्री-मानसून ड्रेन क्लीनिंग शुरू की जाएगी और अंजुर फाटा से कल्याण नाका तक चौड़ी की गई सड़क पर डामरीकरण किया जाएगा. महापौर की स्वच्छता मुहिम में मनपा का कोई शीर्ष अधिकारी मौजूद नहीं होने से डीप क्लिन की सफलता पर संदेह खड़ा होना शुरू हो गया है. कई जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि, स्वच्छता, आरोग्य, अवैध बांधकाम,स्थापना जैसे अहम विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे मनपा उपायुक्त विक्रम दराडे केवल आर्थिक फायदे के लिए कार्य करने में माहिर हैं.करीब 1वर्ष के दौरान शहर स्वच्छता संबंधित निकाले गए कई टेंडरों में ठेकेदारों से मिलकर भ्रष्टाचार करने में माहिर हैं.शहर स्वच्छता को लेकर दराडे कतई गंभीर नहीं है. नवनियुक्त मनपा महापौर की स्वच्छता को लेकर की गई शुरूआत से शहरवासियों को भिवंडी शहर स्वच्छ,सुंदर,प्रदूषण मुक्त होने की आस जगी है.

विश्व महिला दिवस महिलाओं के स्वास्थ्य जांच का आयोजन

ठाणे. 8 मार्च को विश्व महिला दिवस के मौके पर मनपा के महिला बाल विकास विभाग की तरफ से कई तरह के प्रोग्राम और कॉम्पिटिशन ऑर्गनाइज़ किए गए हैं। इस मौके पर रंगोली कॉम्पिटिशन, मेहंदी कॉम्पिटिशन, निबंध कॉम्पिटिशन के साथ-साथ कल्चरल प्रोग्राम भी होंगे।महापौर शर्मिला पिंपलोलकर और मनपा आयुक्त सौरभ राव ने मनपा की सभी महिला अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील की है कि वे महिलाओं के लिए ऑर्गनाइज़ की गई एक्टिविटीज़ में अपनी मर्ज़ी से हिस्सा लें।

शनिवार 7 मार्च, 2026 को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक मनपा मुख्यालय में रंगोली, मेहंदी कॉम्पिटिशन ऑर्गनाइज़ किया जाएगा। रंगोली कॉम्पिटिशन का टॉपिक इंडियन त्योहारों पर बेस्ड है और रंगोली 4 बाय 4 फीट की जगह में बनानी है।

मेहंदी कॉम्पिटिशन ट्रेडिशनल/अरबी/राजस्थानी स्टाइल में होगा। साथ ही मनपा स्कूल क्रमांक 44 वर्तकनगर में एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है और निबंध प्रतियोगिता का विषय है "डिजिटल इंडिया, एक नया युग – सोशल मीडिया और आज की महिलाएं नगर विकास में महिला अधिकारियों/कर्मचारियों की भूमिका" और शब्द सीमा 1000 रखी गई है। साथ ही मनपा के स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत कार्यरत आशा कार्यकर्ताओं के लिए एक अलग निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।मनपा के सभी शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में महिलाओं के लिए एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है।

इस शिविर में महिलाओं का हीमोग्लोबिन परीक्षण, रक्त शर्करा और रक्तचाप परीक्षण के साथ-साथ विशेषज्ञों द्वारा महिलाओं की स्वास्थ्य परामर्श किया जाएगा। सभी आशा कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और महिला स्वच्छता कार्यकर्ताओं से प्राथमिकता पर परीक्षण कराने की अपील की गई है। साथ ही, 8 मार्च को एक मैमोग्राफी कैंप भी रखा गया है।रविवार, 8 मार्च को मनपा और 'आम्ही साईकलप्रेमी फाउंडेशन' के साथ मिलकर महिलाओं के लिए एक 'साइकिल रैली' रखी गई है। यह साइकिल रैली मनपा मुख्यालय से शुरू होगी और साढ़े तीन किलोमीटर और साढ़े छह किलोमीटर की साइकिल रैली होगी। रैली के बाद,मुख्यालय के स्वर्गीय नरेंद्र बल्लाल हॉल में महिलाओं का कॉस्ट्यूम कॉम्पिटिशन, साइकिल डेकोरेशन कॉम्पिटिशन और उखाना कॉम्पिटिशन होगा।

रंगपंचमी मनाएं लेकिन अपनी सेहत को खतरे में न डालें

- केमिकल रंगों से स्किन आंख और सांस की बीमारियों का खतरा
- डॉक्टरों की अपील है कि नेचुरल रंग इस्तेमाल करें

ठाणे. रंगपंचमी रंगों खुशी और दोस्ती का त्योहार है, लेकिन इसे मनाते समय सेहत और पर्यावरण का ध्यान रखना भी ज़रूरी है। रंगपंचमी के मौके पर ठाणे शहर के बाज़ारों में कई तरह के रंग बिक्री के लिए उपलब्ध हो गए हैं। पर्यावरण एक्सपर्ट और मेडिकल एक्सपर्ट लोगों से सावधान रहने की अपील कर रहे हैं क्योंकि इन रंगों में बहुत ज़्यादा केमिकल चीज़ें हो सकती हैं।केमिकल रंगों में लेड, क्रोमियम, कॉपर सल्फेट, एल्युमिनियम ब्रोमाइड जैसे खतरनाक तत्व हो सकते हैं। इन रंगों को स्किन पर लगाने से खुजली, रैश, सूजन, एलर्जी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। अगर रंग आंखों में चला जाए, तो जलन, इंफेक्शन या नज़र कमज़ोर होने का खतरा रहता है। साथ ही, अगर रंग की धूल सांस के ज़रिए शरीर में चली जाए, तो अस्थमा या सांस की समस्याएं बढ़ सकती हैं।खासकर छोटे बच्चों, सीनियर सिटिज़न्स और स्किन की बीमारियों वाले लोगों को ज़्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है। सावधान रहें। सड़क पर या पब्लिक जगहों पर अनजान लोगों को ज़बरदस्ती रंग लगाने से बचें। रंगों से खेलते समय आंख, नाक और मुंह को बचाना ज़रूरी है।एनवायरनमेंटलिस्ट ने नेचुरल और ऑर्गेनिक रंगों के इस्तेमाल की सलाह दी है। हल्दी, चुकंदर, पालक और फूलों की पंखुड़ियों जैसी नेचुरल चीज़ों से बने रंग सेफ़ और इको-फ्रेंडली होते हैं। ऐसे रंगों के इस्तेमाल से स्किन पर साइड इफ़ेक्ट का चांस कम होता है और पानी का पॉल्यूशन भी रुकता है।रंगपंचमी के दौरान पानी बर्बाद न करने और प्लास्टिक बैग या गुब्बारों का इस्तेमाल न करने की भी अपील की गई है। हर नागरिक की ज़िम्मेदारी है कि वह त्योहार का मज़ा लेते समय दूसरों की सुरक्षा और एनवायरनमेंट का ध्यान रखे।

ठाणेकरों से उम्मीद है कि वे रंगपंचमी को खुशी-खुशी और सुरक्षा के दायरे में मनाकर एक हेल्दी और इको-फ्रेंडली त्योहार का आइडियल बनाएं।रंगपंचमी मनाते समय केमिकल रंगों के इस्तेमाल से बचना चाहिए। ऐसे रंगों से स्किन, आंख और रेस्पिरेटरी सिस्टम पर साइड इफ़ेक्ट हो सकते हैं। नेचुरल रंगों का इस्तेमाल करें और अगर आपको कोई एलर्जी या परेशानी हो तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें।

मनपा ने प्रॉपर्टी टैक्स डिफॉल्टर्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई

ठाणे। फाइनेंशियल साल 2025-26 का आखिरी फेज शुरू होते ही,मनपा के प्रॉपर्टी टैक्स विभाग ने डिफॉल्टर्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दिया है। कई टैक्सपेयर्स ने समय पर प्रॉपर्टी टैक्स देकर मनपा का साथ दिया है, लेकिन कुछ टैक्सपेयर्स अभी भी बकाया हैं।आयुक्त सौरभ राव ने निर्देश दिया है कि डिफॉल्टर्स के खिलाफ एक्शन को और सख्त और असरदार बनाया जाए और उनके नाम मीडिया में पब्लिश किए जाएं। करदाताओं को सार्वजनिक छुट्टियों पर संपत्ति कर का भुगतान करने में सुविधा प्रदान करने के लिए, सभी प्रभाग समिति स्तर के संग्रह केंद्रों को 31.03.2026 तक सभी शनिवार को सुबह 10.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक और सभी रविवार को सुबह 10.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक कर संग्रह के लिए चालू कर दिया गया है। करदाता मनपा के 21 संग्रह केंद्रों में से किसी पर भी अपना संपत्ति कर जमा कर सकते हैं।इसी तरह, करदाता www.propertytax.thanecity.gov.in लिंक के साथ-साथ GooglePay, Phonepe, BHIM ऐप के माध्यम से ऑनलाइन संपत्ति कर का भुगतान कर सकते हैं।करदाताओं को कर भुगतान देखने और करों का भुगतान करने की सुविधा प्रदान करने के लिए,मनपा ने +91 2225331590 पर एक व्हाट्सएप चैटबॉट प्रणाली लागू की है, और करदाता इसके माध्यम से भी आसानी से कर जमा कर सकते हैं।

'स्पिरिट' से विवेक का फर्स्ट लुक जारी

- प्रभास स्टारर फिल्म में दिखा इंटेंस अवतार
- फैंस बोले 1000 करोड़ क्लब तय

साउथ के सुपरस्टार प्रभास की अपकमिंग फिल्म 'स्पिरिट' से बॉलीवुड अभिनेता विवेक ओबेरॉय का पहला लुक आज जारी किया गया, जिसने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। इस दमदार पोस्टर को शेयर करते ही सोशल मीडिया पर फैंस की प्रतिक्रियाओं का हुजूम देखने को मिला, जिसमें कई लोग फिल्म को 1000 करोड़ क्लब तक पहुंचते देखने की बात कह रहे हैं।

फिल्म के मेकर्स ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर विवेक के किरदार का पोस्टर शेयर किया, जिसमें वह एक कटर सिंगर और स्टाइलिश लुक में दिखाई दे रहे हैं। लॉन्ग कोट, धूम्रपान करते हुए सिगार और हाथ में तलवार लिए विवेक का यह अवतार काफी ग्रिट्टी और इंटेंस लगता है, जो कि दर्शकों में एक अलग ही उत्साह भर रहा है।

इस पोस्टर में साथ में नई अभिनेत्री ऐश्वर्या देसाई का भी एंट्री-लेवल रुप दिखाया गया है। वह एक सस्पेंस फ्लेवर वाली सीन में नजर आ रही हैं, जिसे देखकर कई लोग फिल्म की कहानी में उनके किरदार की भूमिका के बारे में अनुमान लगाने लगे हैं।

'स्पिरिट' के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा हैं, जिनके पिछले प्रोजेक्ट 'एनिमल' ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त धमाल मचाया था। यही वजह है कि इस फिल्म से जुड़ी हर अपडेट को बड़ी बेसब्री से फैंस और क्रिटिक्स दोनों ही देख रहे हैं। इंडस्ट्री में यह मानना है कि इस फिल्म में प्रभास के साथ विवेक ओबेरॉय का विलेन जैसा किरदार दर्शकों के लिए एक नया एक्साइटमेंट लेकर आएगा।

फिल्म में प्रभास के अलावा तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिका में हैं और यह फिल्म 5 मार्च 2027 को बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए तैयार है। माना जा रहा है कि फिल्म को आठ भाषाओं में रिलीज किया जाएगा, जिससे इसका ग्लोबल मार्केट पर असर और भी ज्यादा होगा।

सोशल मीडिया पर जबर्दस्त प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। कई यूजर्स ने इसे विवेक का जबरदस्त कमबैक बताया है और सुर्खियों में यह भी कहा जा रहा है कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकती है।

वार्ड नंबर 2 में किया गया स्वच्छता अभियान

ठाणे. डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के कॉन्सेप्ट पर ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा शुरू किया गया व्यापक सफाई अभियान बिना रुके जारी है और आज महापौर शर्मिला पिंपलोलकर के मार्गदर्शन में वार्ड नंबर 2 में डीप क्लीन ड्राइव चलाया गया। इस अभियान की शुरुआत सफाई की शपथ लेकर की गई कि मैं अपने शहर को हमेशा साफ रखने के लिए कमिटेड हूं।इस अभियान में ठाणे मनपा वार्ड नंबर 2 के स्थानीय नगरसेवक मनोहर डुंबरे, अर्चना मनेरा, कमल चौधरी, विकास पाटिल के साथ-साथ जोनल उपायुक्त दिनेश तायडे,उपायुक्त मधुकर बोडके आदि मौजूद थे।महापौर का पद संभालने से पहले ही शर्मिला पिंपलोलकर ने कोपरी प्रभाग से सफाई अभियान चलाया। उन्होंने प्रशासन को मनपा क्षेत्र के अंतर्गत सभी वार्डों में डीप क्लीन ड्राइव चलाने का निर्देश दिया है। आज वार्ड क्रमांक 2 में

ऋतु एस्टेट से काबरा सर्किल, काबरा सर्किल से महाराणा प्रताप चौक, काबरा सर्किल से आजादनगर सर्किल, श्री माँ स्कूल से रोडाज सोसायटी, पातलीपाड़ा ब्रिज से स्वर्गीय चिमा बाबू दलवी चौक से श्री माँ स्कूल व देव भक्ति सोसायटी परिसर, महाराणा प्रताप चौक से रीजेंसी टावर वाया शिवनेरी सोसायटी तुरफा पाड़ा, श्री दुर्गा माता मंदिर रोड आजादनगर सर्किल से ब्रह्मांड सर्किल मेन रोड आदि में व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान को क्षेत्र के नागरिकों से भी उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली।सभी वार्डों में सफाई अभियान नियमित रूप से चल रहा है और महापौर शर्मिला पिंपलोलकर ने संबंधित अधिकारियों को स्थानीय नगरसेवकों को विश्वास में लेने और उनसे प्राप्त शिकायतों के अनुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।सभी सड़कों की सफाई की गई और फिर पानी की मदद से सड़कों की सफाई की गईइस अवसर पर मुख्य स्वच्छता निरीक्षक शयुराज कांबले सहित सभी स्वच्छता कर्मचारी उपस्थित थे।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099